विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 9-15 अप्रैल 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 47 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जिस घर में मां बच्चों की गलतियों पर हमेशा पर्दा डालती है और पिता को नहीं बताती है, उस घर के बच्चे गलत रास्ते पर निकलने में देर नहीं लगती है. वर्तमान में संस्कारों के पतन में संस्कारों की जननी कही जाने वाली मां की भूमिकाओंसे इंकार नहीं किया जा सकता है. अनुशासन, संस्कारों से ही जीवन संवरता है. लेकिन दुर्भाग्य वर्तमान में वही बच्चों को नहीं मिल पा रहा है. इस पर समाज को चिंतन करना चाहिए.

भरोसे के लायक नहीं है पाकिस्तान-इजरायल

नई दिल्ली- भारत में इजरायल के राजदूत, रूवेन अजार ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रही सीजफायर बातचीत में पाकिस्तान की 'मध्यस्थ' की भूमिका पर संदेह जताया है. समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अजार ने कहा, 'हम पाकिस्तान को एक विश्वसनीय खिलाड़ी के तौर पर नहीं देखते. मुझे लगता है कि अमेरिका ने अपने कारणों से पाकिस्तान की मध्यस्थता वाली सेवाओं का इस्तेमाल करने का फैसला किया है.तेल अवीव का मकसद दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के आतंकवाद को खत्म करना है. इसका ईरान में चल रहे ऑपरेशन से कोई लेना-देना नहीं है. जहां तक लेबनान की बात है, जैसा कि मैंने कहा, हमें एक ऐसी स्थिति हासिल करनी है, जिसमें दक्षिणी लेबनान को हिज्बल्लाह के आतंकवादी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कोई जगह नहीं है. ऐसा करना लेबनानी सरकार की भी जिम्मेदारी है.

ईरान के समक्ष झुका अमेरिका,हेकड़ी कायम

अस्थायी युद्ध विराम से दुनिया ने ली राहत की सांस, होर्मुज पर तनाव है कायम

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

नई दिल्ली- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को एक नई धमकी दी है. ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता है और परमाणु हथियार न रखने का वादा नहीं करता है तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रस्थ पर उन्होंने लिखा, 'अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और ऐसी कोई भी चीज जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुके दुश्मन को पूरी तरह से खत्म करने और नष्ट करने के लिए सही और जरूरी हो ईरान के अंदर और उसके आस-पास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि हुई 'असली सहमति' का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता.'

'कोई भी परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं किया जाएगा-ट्रंप ने आगे लिखा, 'अगर किसी भी वजह से ऐसा नहीं होता है, जिसकी संभावना बहुत ही कम है तो 'गोलीबारी शुरू हो जाएगी' जो पहले कभी किसी ने नहीं देखी होगी, उससे भी ज्यादा बड़ी, बेहतर और जबरदस्त. बहुत पहले ही इस बात पर सहमति बन गई थी और इसके विपरीत तमाम झूठी बयानबाजियों के बावजूद कि कोई भी परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं किया जाएगा और होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहेगा.'

सेना कर रही बेसब्री से इंतजार' अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी देते हुए लिखा, 'इस बीच, हमारी महान सेना अपनी पूरी तैयारी कर रही है और आराम कर रही है. असल में, वह अपनी अगली जीत का बेसब्री से इंतजार कर रही है. अमेरिका वापस आ गया है.

अमेरिका को झटका-संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद बहरीन समर्थित होर्मुज जलडमरूमध्य से संबंधित प्रस्ताव को पारित करने में विफल रही. स्थायी सदस्य चीन और रूस ने मसौदे को वीटो कर दिया.यह प्रस्ताव बहरीन की अगुवाई में पेश किया गया था, जिसका समर्थन सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत और जॉर्डन सहित कई खाड़ी देशों ने किया था.इसका **शेष पेज 7 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बारामती चुनाव को लेकर विपक्षी मतभेद उजागर

बारामती विधानसभा उपचुनाव ने महाराष्ट्र की विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी के भीतर नाराजगी को उजागर कर दिया है. पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की जनवरी में विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद इस उपचनाव में उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार एनडीए की उम्मीदवार हैं, जबकि कांग्रेस ने अलग से उम्मीदवार उतार दिया है. इस चुनाव को लेकर महाविकास गठबंधन के साथ ही विपक्षी गठबंधन में भी मतभेद दिखाई दे रहा है. बारामती पवार परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता है. अजीत पवार की मौत के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभाला और महाराष्ट्र की उपमख्यमंत्री के रूप में शपथ ली.

शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी ने सम्मान स्वरूप सुनेत्रा पवार के खिलाफ चुनाव न लड़ने का फैसला किया, लेकिन कांग्रेस ने आकाश मोरे को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया.शिवसेना (यूबीटी) के मखपत्र सामना के नवीनतम संपादकीय में कांग्रेस की राजनीतिक अपरिपक्वता और संकीर्ण सोच की आलोचना की गई है. राज?यसभा सांसद संजय राउत के लिखे इस संपादकीय में कहा गया है कि समझना कमजोरी नहीं, परिपक्वता है.

वरिष्ठ नेता शरद पवार के शिवसेना के उम्मीदवारों को समर्थन देने के ऐलान से कांग्रेस नाराज है. राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस के पास 16 विधायक हैं, इसलिए उसे आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिलनी चाहिए. उन्होंने गठबंधन में सामूहिक फैसले की मांग की. कांग्रेस की इस स्थिति पर तंज कसते हुए कहा कि अगर कांग्रेस को लगता है कि एक सीट ही उनकी चरम सीमा है, तो उन्हें अपनी महत्वाकांक्षा की ऊंचाई दोबारा नापनी चाहिए.संपादकीय में कांग्रेस पर 2022 में उद्धव ठाकरे सरकार गिरने का आरोप लगाया गया. कहा गया कि कांग्रेस ने बिना सहयोगियों से चर्चा किए विधानसभा स्पीकर पद से इस्तीफा देकर एकतरफा फैसला लिया, जिससे सरकार में 'संरचनात्मक दरार' पैदा हुई और सरकार गिर गई.अगर राहुल गांधी केंद्र में नेतृत्व करना चाहते हैं, तो कांग्रेस को शिवसेना और एनसीपी जैसे क्षेत्रीय दलों को 'सहायक बैसाखी' नहीं मानना चाहिए. सहयोगियों को समान साझेदार और मिट्टी के बेटों का वॉइस मानना चाहिए.कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने सामना संपादकीय पर तीखा पलटवार किया. उन्होंने कहा कि संजय राउत पत्रकार और पार्टी प्रवक्ता की भूमिका में भ्रमित हो जाते हैं. वे भूल जाते हैं कि जब वे एक उंगली दूसरों पर उठाते हैं, तो चार उंगलियां खुद उनकी ओर होती हैं.कांग्रेस और उबाठा के बीच जारी शाब्दिक जंग के कारण विपक्ष में चुनाव को लेकर एकमत नहीं है. सुनेत्रा पवार की जीत को लेकर जहां राकांपा पूरी ताकत लगाने वाली है, वहीं दूसरी ओर अपनों से भी सुनेत्रा को कम खतरा नहीं है. कुल मिलाकर चुनाव का परिणाम घोषित होने तक क्या होगा, इस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता है. अगर ये मुद्दे न होते तो महाविकास आघाड़ी आज मुंबई और चंद्रपुर नगर निगम में सत्ता में होती. उन्होंने भाजपा के खिलाफ लड़ाई पर कांग्रेस की ईमानदार स्थिति बताते हुए अकबर इलाहाबादी की प्रसिद्ध शायरी का हवाला दिया कि हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं बदनाम, वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होती. राज्य में महाविकास गठबंधन के साथ ही विपक्ष में भी सब कुछ ऑलवेल नहीं है. कांग्रेस के भीतर भी कम महाभारत नहीं दिखाई दे रहा है. बारामती काफी महत्वपूर्ण साबित होगा.

सुदामा जैसा त्याग होगा तो श्रीकृष्ण मिलेंगे

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

विश्व में दोस्ती के लिए भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता की मिसाल दी जाती हैं लेकिन सुदामा के जैसा त्याग किसी मित्र के लिए आज तक किसी ने नहीं किया है. जहां त्याग होता है, वहां प्रेम होता है, जहां स्वार्थ होता है, वहां प्रेम कभी नहीं हो सकता है. भगवान श्रीकृष्ण के साथ बातें करते हुए कब कृष्ण उनके पाँव दबाने लगे यह सुदामा को पता ही नही चला. सुदामा सो चुके थे किंतु कृष्ण अपनी ही सोंचों में मगन उनके पाँव दबाते हुए बचपन की बातें करते चले जा रहे थे, कि तभी रुक्मिणी ने उनके कंधे पर हाथ रखा.कृष्ण ने चौंक कर पहले उन्हे देखा और फिर सुदामा को, फिर उनका आशय समझ कर वहाँ से उठ कर अपने कक्ष में चले आये.कृष्ण की ऐसी मगन अवस्था देखकर रुक्मिणी ने पूछा, 'स्वामी आज आपका व्यवहार बहुत ही विचित्र प्रतीत हो रहा है.आप, जो इस संसार के बड़े से बड़े सम्राट के द्वारका आने पर उनसे तनिक भी प्रभावित नही होते हैं, वो अपने मित्र के आगमन की सूचना पर इतने भावविव्हल हो गए कि भोजन छोड़कर नंगे पाँव उन्हे लेने के लिए भागते चले गए.आप, जिनको कोई भी दुख, कष्ट या चनौती कभी रुला नही पाई, यहाँ तक कि जो गोकुल छोड़ते समय मैया यशोदा के अश्रु देखकर भी नही रोये,वे अपने मित्र के जीर्ण शीर्ण, घावों से भरे पाँवों को देखकर इतने भावक हो गए कि अपने अश्रुओं से ही उनके पाँवों को धो दिया.कूटनीति, राजनीति और ज्ञान के शिखर पुरुष आप, अपने मित्र को देखकर इतने मगन हो गए कि बिना कछ भी विचार किये उन्हे समस्त त्रिलोक की संपदा एवं समृद्धि देने जा रहे थे.'कृष्ण ने अपनी उसी आमोदित अवस्था में कहा-वह मेरे बालपन का मित्र है रुक्मिणी.'परंत उन्होंने तो बचपन में आपसे छुपाकर वो

चने भी खाये थे जो गुरुमाता ने उन्हे आपसे बाँटकर खाने को कहे थे? अब ऐसे मित्र के लिए इतनी भावकता क्यों?सत्यभामा ने भी अपनी जिज्ञासा रखी.कृष्ण मस्कराये-सुदामा ने तो वह कार्य किया है सत्यभामा, कि समस्त सृष्टि को उसका आभार मानना चाहिए. वो चने उसने इसलिए नही खाये थे कि उसे भूँख लगी थी बल्कि उसने इसलिए खाये थे क्योंकि वो नही चाहता था कि उसका मित्र कृष्ण दरिद्रता देखे.उसे ज्ञात था कि वे चने आश्रम में चोर छोड़कर गए थे, और उसे यह भी ज्ञात था कि उन चोरों ने वे चने एक ब्राह्मणी के गृह से चुराए थे. उसे यह भी ज्ञात था कि उस ब्राह्मणी ने यह श्राप दिया था कि जो भी उन चनों को खायेगा, वह जीवन पर्यंत दरिद्र ही रहेगा.सुदामा ने वे चने इसलिए मुझसे छुपा कर खाये ताकि मैं सुखी रहूँ. वो मुझसे ईश्वर का कोई अंश समझता था, तो उसने वे चने इसलिए खाये क्योंकि उसे लगा कि यदि ईश्वर ही दरिद्र हो जायेगा तो संपूर्ण सृष्टि ही दरिद्र हो जायेगी. सुदामा ने संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के लिए स्वय का दरिद्र होना स्वीकार किया.इतना बड़ा त्याग-रुक्मिणी के मुख से स्वतः ही निकला.मेरा मित्र ब्राह्मण है रुक्मिणी, और ब्राह्मण ज्ञानी और त्यागी ही होते हैं. उनमें जनकल्याण की भावना कूट-कूट कर भरी होती है. इक्का-दुक्का अपवादों को यदि छोड़ दिया जाए तो ब्राह्मण ऐसे ही होते हैं.अब तम ही बताओ ऐसे मित्र के लिए हृदय में प्रेम नही तो फिर क्या उत्पन्न होगा प्रिये? गोकुल छोड़ते हुए मैं इसलिए नहीं रोया था क्योंकि यदि मैं रोता तो मेरी मैया तो प्राण ही छोड़ देती. परंत मेरे मित्र के ऐसे पाँव देखकर, उनमें ऐसे घावों को देखकर मेरा हृदय भर आया रुक्मिणी. उसके पाँवों में ऐसे घाव और जीवन में उसकी ऐसी दशा मात्र इसलिए हुई क्योंकि वह अपने इस मित्र का भला चाहता था.पता है रुक्मिणी, परिवार को छोड़कर किसी और ने कभी इस कृष्ण का इतना भला नही चाहा. लोग बाग तो मझसे उनका भला करने की अपेक्षा रखते हैं. बस सदामा जैसे मित्र ही होते हैं जो अपने मित्र के सुख के लिए स्वेच्छा से दरिद्रता एवं कष्ट का आवरण ओढ़ लेते हैं.ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं और न जाने किन पुण्यों के फलस्वरूप मिलते हैं. अब ऐसे मित्र को यदि त्रिलोक की समस्त संपदा भी दे दी जाए तो भी कम होगा.', कृष्ण अपने भावुकता से भर्राये हुए स्वर में बोले.इधर कक्ष में समस्त रानियों के नेत्र सजल थे और उधर कक्ष के बाहर खड़े सुदामा के नेत्रों से गंगा यमुना बह रही थीं.

भारतीय एकता के पुरोधा डॉ.बाबासाहब आंबेडकर

विदर्भ स्वाभिमान

महामानव को विनम्र अभिवादन

विविध जाति,धर्म,पंथ,भाषा,संस्कृति के बाद भी भारतीय एकता अगर बरकरार है तो इसका श्रेय डॉ. बाबासाहब आंबेडकर द्वारा निर्मित महान संविधान को भी जाता है. ऐसे में उन्हें आजादी के बाद भारतीय एकता का पुरोधा कहना गलत नहीं होगा.विश्वस्तरीय महानतम अर्थशास्त्री तथा बहुआयामी व्यक्ति थे, उनकी दूरदृष्टि ने देश को आर्थिक मजबूती प्रदान करने में बड़ा महत्वपूर्ण रोल अदा किया. डॉ.आंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अर्थशास्त्र में गहरी विशेषज्ञता हासिल की.डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने भारत की आर्थिक नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनकी सोच आज भी सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजकीय न्याय की अवधारणा पर कार्य करती है.

समता, बंधुता, स्वतंत्रता को उन्होंने सदा महत्व दिया. आधुनिक भारत के निर्माण में मार्गदर्शक है.उनकी जयंती पर राष्ट्र की ओर से शत-शत नमन. विविध जाति,पंथ और भाषाएं तथा परम्पराएं रहने के बाद भी यहां पर जिस तरह से अनेकता में एकता का ताना-बाना बुना हुआ है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है. इसका श्रेय डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को भी जाता है. वही देश विश्व में प्रगति कर सकता है, जहां शांति हो, सद्भाव हो, सभी के अधिकार सुरक्षित हों और सभी को प्रगति का समान अवसर हो. कई मामले में तो हमारा संविधान विश्व के सबसे बड़े संविधान के रूप में सुख्यात है. इतना ही नहीं तो लाखों लोगों को यह किसी अजूबे से कम नहीं लगता है. भारत

अपना पूरा जीवन देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने और देश के सभी नागरिकों के लिए, धर्म, भाषा, वर्ग, रंग, लिंग और जाति के भेदभाव से परे, एक संप्रभु समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष,लोकतांत्रिक, भारत गणराज्य को साकार करने के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समता बन्धुता और राष्ट्र की एकता को बनाए रखने के लिए समर्पित कर दिया, वे हैं भारतीय संविधान के निर्माता, बोधिसत्व, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर. उन्होंने 2 साल, 11 महीने, 18 दिन की कड़ी मेहनत से, एक सार्वभौमिक विरासत, एक पवित्र महान ग्रंथ बनाया, जिसमें भारत जैसे विशाल देश में विविधता को एक सूत्र में बनाए रखने की ताकत है जिसे भारत वासियोंने भारतीय संविधान के रूप में अपनाया, लागू किया और स्वयं को आत्मार्पित किया है.

बोधिसत्व, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को उनकी 135 वीं जयंती पर विनम्र अभिवादन करते है.समस्त देशवासियों को जयन्ति की हार्दिक बधाइयाँ एव शुभकामनाएँ देते है.

रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर देश के ऐसे महान नेता थे, जिन्हों ने देश की सामाजिक व्यवस्था को इस कदर मजबूत बनाया कि उसे कोई भेद नहीं सके. 14 अप्रैल को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन और अभिवादन.

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सही मायने में देश के जननायक तथा मानवता के मसीहा थे. उन्होंने लाखों लोगों को अन्याय के जीवन से जहां मुक्त कराया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का संदेश दिया. देश के पीड़ितों के जहां वे मसीहा रहे, वहीं दूसरी ओर आज देश बेहतरीन तरीके से चलने का माध्यम संविधान में उन्होंने दिया है.उनके द्वारा विश्व का सर्वोत्तम संविधान भारत को दिया गया है. यह अपने आप में गर्व के साथ हर भारतीय के लिए गौरव की भी बात है.

देश को एकसंघ रखने में संविधान का महत्वपूर्ण योगदान है.बचपन से ही अनेक अत्याचार,अपमान सहने के बाद भी कबीरपंथी संस्कार प्राप्त डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने शिका व संघर्ष का संदेश दिया. उनके व्यक्तित्व निर्माण में मां रमाई की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण है. महामानव की जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं. आज के दौर में उनके विचारों पर चलने से भला हो सकता है. उनके विचारों पर चलने से समाज, राष्ट्र जहां मजबूत होगा, वहीं कोई पिछड़ा नहीं रहेगा. उन्हों ने सदैव लोगों को पढ़ने, अधिकारों के लिए जागरूक रहने के साथ ही सामाजिक कामों में योगदान देने की सीख दी.

सुदर्शन गांग
सुख्यात समाजसेवी तथा संविधान विषय के वक्ता

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

बारामती से सुनेत्रा पवार ने भरा नामांकन,राह कठिन

विधानसभा उपचुनाव को लेकर सत्तापक्ष तथा विपक्ष दोनों में भी मतभेद, सभी की नजरें लगी

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

मुंबई- महाराष्ट्र की सियासत का केंद्र माने जाने वाले बारामती विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रदेश की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और कांग्रेस के उम्मीदवार एडवोकेट आकाश मोरे ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए. इसके साथ ही बारामती में निर्विरोध चुनाव होने की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. इस सीट के चुनाव को लेकर राज्य की राजनीति फिर एक बार गर्मा गई है. महाविकास आघाड़ी में भी मतभेद की खबरों के बीच कांग्रेस यहां पूरी ताकत झों कने का प्रयास कर रही है.

अजीत पवार के आकस्मिक निधन के कारण रिक्त हुई इस सीट पर उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार सत्तारूढ़ महायुति की आधिकारिक उम्मीदवार हैं. उन्होंने आज पवार परिवार की परंपरा को निभाते हुए बारामती के कन्हेरी स्थित हनुमान मंदिर में पूजा एवं दर्शन करके नामांकन दाखिल किया.

नामांकन से पूर्व आयोजित रैली में समर्थकों को संबोधित करते हुए भावुक सुनेत्रा पवार ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन आएगा जब मुझे उपचुनाव के लिए नामांकन भरना पड़ेगा. अजीत दादा हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विकास की विरासत

को मैं आगे ले जाऊंगी.

इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राकांपा के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे आदि मौजूद रहे.कांग्रेस ने आकाश मोरे को मैदान में उतारा-हालांकि सत्तारूढ़ महायुति की ओर से चुनाव को निर्विरोध कराने की पुरजोर कोशिश की गई थी, लेकिन कांग्रेस ने अंतिम समय में आकाश मोरे के नाम की घोषणा कर मुकाबले को रोचक बना दिया है. इससे विपक्षी गठबंधन भी खतरे में आ गया है. आकाश मोरे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और पूर्व एमएलसी विजयराव मोरे के पुत्र हैं.आकाश मोरे ने भरा नामांकन-उन्होंने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि वह जनता के मुद्दों को लेकर मैदान में हैं और अजीत पवार की मृत्यु की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच की मांग करते रहेंगे. उन्होंने अजीत पवार की विमान दुर्घटना पर अभी तक एफआईआर दर्ज न होने को मुद्दा बनाते हुए कहा है कि यदि अभी भी सरकार यह एफआईआर दर्ज करवा दे, तो वह अपना नामांकन वापस ले लेंगे.दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में इस सीट को लेकर मतभेद भी दिखाई दे रहे हैं. राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वे अजीत पवार के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे. लेकिन कांग्रेस ने अपनी दावेदारी पेश की है. शिवसेना (यूबीटी) ने अभी भी स्पष्ट नहीं किया है कि इस चुनाव में शांत बैठेगी या कांग्रेस का साथ देगी.

बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर महाविकास आघाड़ी में भी मतभेद बताया जाता है. इसके अलावा शरद पवार और पवार परिवार के सदस्यों की अनुपस्थिति को लेकर भी राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. राकांपा प्रमुख अजीत पवार की मौत के बाद सुनेत्रा पवार को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया गया, उन्हों ने शपथ ग्रहण भी कर लिया. लेकिन विधानसभा का चुनाव लड़ना जरूरी था. इसके लिए महाविकास आघाड़ी ने उन्हें बारामती से मैदान में उतारा है.

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर नया नियम लागू

नई दिल्ली- मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान अब दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर नया नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है.रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान शिपिंग कंपनियों से टोल (शुल्क) वसूलने के लिए पारंपरिक मुद्रा की जगह क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान की मांग कर सकता है.बताया जा रहा है कि यह कदम पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने और अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित करने के लिए उठाया जा रहा है. अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए सख्त प्रतिबंधों के कारण ईरान के लिए अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम का उपयोग करना मुश्किल हो गया है, ऐसे में क्रिप्टो एक वैकल्पिक रास्ता बनकर उभरा है.

होर्मुज पर ईरान की नई चाल-होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा संभालता है. दुनिया के करीब 20ऽ तेल का परिवहन इसी रास्ते से होता है. ऐसे में अगर ईरान टोल वसूली का नया नियम लागू करता है, तो इसका असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है.विशेषज्ञों का मानना है कि क्रिप्टो में भुगतान की मांग से कई शिपिंग कंपनियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी होंगी, क्योंकि सभी कंपनियां इस तरह के लेन-देन के लिए तैयार नहीं हैं. इसके अलावा, इससे वैश्विक बाजार में अनिश्चितता भी बढ़ सकती है.

वल्लभनगर हनुमान मंदिर में बच्चे सीखेंगे संस्कार,कलाएं

निःशुल्क संस्कार शिविर को भव्य प्रतिसाद

विदर्भ स्वाभिमान, 1 अप्रैल

अमरावती- गरीब बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने के साथ ही सदा मदद के लिए तत्पर रहने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए वननेस मुक्तांगण तथा विदर्भ स्वाभिमान के संयुक्त तत्वावधान में शीघ्र ही संस्कार शिविर का आयोजन हनुमान मंदिर वल्लभ नगर में 17 से किया गया है. शिविर में बच्चों को संस्कारों के साथ ही विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा. सहयोगियों द्वारा 9 सत्रों में अलग-अलग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का लाभ छात्रों को मिल सकेगा.चार दिवसीय यह शिविर पूरी तरह से निःशुल्क और इसमें विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, योगा, अच्छी आदतें, नृत्य, खेल, कैरियर, अंग्रेजी स्पीकिंग और एआई तकनीकी पर छात्रों का मार्गदर्शन किया जाएगा. संस्था की पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है.

चार दिवसीय इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे. इस दौरान मानव धर्म, राष्ट्र धर्म सबसे बड़ा रहने के साथ ही बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के साथ ही पढ़ाई के बारे में उनमें रूचित पैदा करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा. शिविर में सीमित सीटें रहने के चलते इच्छुकों से अमित बनारसे तथा संस्था के

वननेस मुक्तांगण और विदर्भ स्वाभिमान की संयुक्त सामाजिक पहल

पदाधिकारियों से संपर्क कर अपना पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है. नौकरीपेशा युवाओं द्वारा संचालित संस्था द्वारा गरीब छात्रों को मुफ्त कोचिंग, स्पर्धा परीक्षा मार्गदर्शन, दप्तर तथा शालोपयोगी वस्तुओं का वितरण भी समय-समय पर किया जाता है.

बच्चे किसी भी समाज और राष्ट्र का भविष्य होते हैं. उनका व्यक्तित्व, व्यवहार और सोच उनके बचपन में मिले संस्कारों पर ही आधारित होता है. इसलिए बच्चों को अच्छे संस्कार देना हर माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है.संस्कार केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा है. ये बच्चों को सही और गलत में अंतर समझने की क्षमता देते हैं. अच्छे संस्कारों से बच्चे विनम्र, जिम्मेदार और संवेदनशील बनते हैं. वे दूसरों का सम्मान करना, सच बोलना और ईमानदारी से जीवन जीना सीखते हैं.बच्चों के लिए पहला विद्यालय उनका परिवार होता है. माता-पिता का आचरण ही बच्चों के लिए सबसे बड़ा उदाहरण बनता है.यदि घर का वातावरण सकारात्मक, अनुशासित और प्रेमपूर्ण होगा, तो बच्चे भी वैसी ही आदतें अपनाएंगे. इसलिए माता-पिता को स्वयं आदर्श बनकर बच्चों को सही मार्ग दिखाना चाहिए. संस्था जहां गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयासरत रहती है, वहीं विदर्भ स्वाभिमान भारत का पहला राष्ट्रीय साप्ताहिक हिंदी अखबार है जो राष्ट्रधर्म, मानव धर्म के साथ बच्चों को संस्कारित करने के लिए प्रयासरत है. पहला पूरी तरह से सकारात्मक अखबार है, जिसमें निगेटिव खबरें नहीं छापी जाती हैं. हनुमान मंदिर के राजेश सोलव तथा सहयोगियों का शविर को व्यापक सहयोग है.

जब मोह के विरह ताप से परमेश्वर हुए परेशान

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- जूही की शय्या पर लेट गयी. इस रूप में हरि के व्यवहार के बारे से पूछा. तब सूत ने बताया. 'हे मुनिवर्य ! अब आपको कर्णपर्व के साथ सुनकर शौनकादि मुनियों ने 'तदुपरांत हरि ने कौन से प्रयत्न किए मैं बताऊँगा, उसके बारे में सुनिए. वह परात्पर परमात्मा विष्णु मनुष्य रूप में कामुक बनकर मोह से विरह ताप में जलते हुए तनावग्रस्त होक शय्या पर चादर ओढ़ कर लेट कर चिंता मग्न हो गए.

विरहतप्त श्रीहरि का बकुला माता के द्वारा परमार्श करना-लंबी सांस लेते और सांस छोड़ते शय्या पर लेटकर इधर-गा करवट बदलते सोने की कोशिश करनेवाले श्रीनिवास के पास आला उनकी अवस्था को देखकर दयालु वकुला मालिका ने इस रूप में कहा 'हे पुत्र ! वेंकट ! उठो ! भोजन करने में देर हो रही है. तुम्हारे लिए अन्न परमान्न, भक्ष्य आदि बनाकर तुम्हें खिलाने के लिए मैं लायी हूँ. पेटभर खा लो.' कहने से बोले बिना आँखों से आँसू बहानेवाले स्वामी को देखते हुए व्याकुल होकर वकुला मालिका ने इस रूप में कहा. 'हे मेरे पुत्र इस रूप में आर्ती बनकर आंखों से आँसू क्यों निकाल रहे हो? इस समय रोने का हेतु क्या है? दिन में नहीं सोना चाहिए, ऐसी रीति को जानने हुए भी इस समय क्यों सो रहे हो? विपुल धैर्य, स्थैर्य रखनेवाले तुम इर रूप में दीन क्यों बने हो? उठो. बैठ कर मुझे सब कुछ बताओ. तुम्हार चिंता का क्या कारण है?' वकुला मालिका का इस रूप में समझाने बुझाने से श्रीहरि कुछ बोले बिना लंबी सांसें छोड़ने लगे. इस रूप में उन्हें देखने वाले पुत्र की ओर देख कर डरकर वकुला मालिका ने इस रूप में कहा. 'आखेट खेलने जंगल जाकर वहाँ पर क्रूर मृगों को देख कर क्या डर गए हो? कहीं भूत, पिशाच तो नहीं लगे? या पत्थरों पर चल कर फिसल कर घायल हो गए हो ? नालों में गिर कर उठकर आराम किए बगैर चलने लगे.

हे पुत्र! सच-सच शीघ्र बताओ. मैं चिकित्सा करूंगी. अगर नीचे गिर कर घायल हो गए तो तेल लगाकर मालिश करूँगी तो ठीक हो जाओगे. पत्थर पर फिसल कर नीचे गिर गए हो तो गरम पानी घाव पर डालना है. अगर कोई भूत लग गया तो भूत वैद्य को बुलाकर मंत्र करवाना है. अगर मृग भाँति मन में बैठ गयी है तो पीठ पर थप-थप मारना है. इन चार चिकित्साओं में कौन-सी चिकित्सा मैं करूँ? तुम अगर सच-सच नहीं बताओगे तो मुझे कैसे मालूम पड़ेगा? हे पुत्र ! मेरे मन से चिंता दूर करने के लिए सच-सच बताओ.' कहते नीचे से ऊपर तक श्रीनिवास के शरीर को सहलाते हुए पसीने से लथपथ शरीर पर पत्थरों से बनी चोटों को पहचान कर महा भीति से वकुला ने कहा.

हे पुत्र ! तुम्हारे शरीर से इस रूप में पसीना क्यों निकल रहा है? तुम्हारे कोमल शरीर पर पत्थरों की ये चोटें किस पाप से हुई हैं? धैर्यवान तुम इस रूप में दीन बनकर आंखों से क्यों आँसू बहा रहे हो? जो कुछ हुआ उसे मुझे सच-सच बताने के लिए कहती हूँ तो यह मौन कैसे?' कहते ओढ़े हुए वस्त्र को हटाकर उठाकर वकुल मालिका ने श्रीनिवास को शय्या पर बिठा दिया.जहाँ-जहाँ चोट लगी थीं वहाँ पर दूसरा वस्त्र ओढ़ाकर, शरीर पर चंदन का लेप किया. ठंडे पानी से नेत्रों को साफ करके सहलाते-सहलाते श्रीनिवास को जगाकर, श्रेष्ठ जूही के फूलों से बने पंखे से हवा देकर श्रीनिवास की थकावट को दूर किया.इस रूप में हरि की थकावट को दूर करने के बाद बड़ी दया और वात्सल्य के साथ वकुला देवी ने हे पुत्र ! परमान्न खाओ' प्रेम से पूछा. फिर भी श्रीनिवास ने कोई जवाब नहीं दिया. पुत्र की हालत को देखकर बकुला मालिका व्याकुल हो गयी. फिर कहा. 'हे पुत्र ! वेंकट! अपनी जिद को छोड़ो. तुम्हारे मन में यह कैसा विचित्र हो गया है?' कहते हुए बकुला ने हरि की तरफ देखकर फिर से कहा. 'कहीं तुम वन में कि सौंदर्यवती विलासी सुंदरी को देखकर भ्रमित होकर उसके मोह में कि गए हो? कहीं तुम्हारे मन में उसका रूप बस गया हो? कहीं उस ललन ने तुम्हारे ह्रदय पर बाण छोड़ दिया हो? हे पुत्र! तुमने जिसे देखा कर वह किन्नेरा तो नहीं है? कहीं गीर्वाणी भामिनी तो नहीं है? कान जंगलों में घूमनेवाली चेंचीता तो नहीं है? गंधर्व कामिनी तो नहीं है वनदेवता है या कही अप्सरा उर्वशी तो नहीं है? कहीं मेनका तो नह है? सर्वलक्षणों से शोभित रंभा तो नहीं है? तिलोत्तमा तो नहीं है घृताची तो नहीं है? इन दसों कन्याओं में किसे देखकर तुम आये हो वह मुझे सच-सच बताओ.' वकुला के इस रूप में बोलने से भी श्रीशी सर झुकाकर ही चुप रहे. कुछ नहीं बोले. उसके नेत्रों से भाष्य निकल ही रहे. इस रूप में दुःखी चक्री को देखकर वकुला मालिका ने भीति फिर इस रूप में कहा. 'कहीं मोहिनी भूत तुम्हारे सामने खड़ी होकर प डाल कर गयी है क्या? गगन से कोई कामिनी भूत तुम पर सवार है गयी है क्या? बताओ हे पुत्र ! अगर नहीं तो इस रूप में मुझसे झूठ बोलने का क्या कारण है? मेरी व्याकुलता बिना कुछ बताये कैसे होगी. में कौन-सी चिकित्सा करके तुझे ठीक कर सकूँ? एक शब्द भी मुह से कहे बिना विकलात्मा होकर विवेकहीन होने से मेरा मन व्याकुल है. रहा है. आगे मेरा क्या होगा? तुम मौन धारण करके इस रूप में चुप रहोगे तो यहाँ पर आगे हमारा रखवाला कौन है? कम से कम उस वगर स्वामी की तो अपना वृत्तांत बताओ. इतना रहस्य क्या है?

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

बदलते दौर को लेकर बेहतरीन कविता मिली, इसमें वर्तमान की सच्चाई को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया गया है. इसके कवि का नाम नहीं पता चल पाया लेकिन वर्तमान परिदृश्य में निश्चित ही यह कविता बेहतरीन कही जा सकती है.

इंसान आज परेशान बहुत है

अब खुद ही गिर जाओ तुम,
टूट कर जमीं पर ।
पत्थर मारने वाला बचपन,
मोबाइल मे व्यस्त है।।

अच्छी थी, पगडंडी अपनी।
सड़कों पर तो, जाम बहुत है।।
फुर्र हो गई फुर्सत, अब तो।
सबके पास, काम बहुत है।।

नहीं जरूरत, बूढ़ों की अब।
हर बच्चा, बुद्धिमान बहुत है।।
उजड़ गए, सब बाग बगीचे।
दो गमलों में, शान बहुत है।।

मट्ठा, दही, नहीं खाते हैं।
कहते हैं, ज़ुकाम बहुत है।।
पीते हैं, जब चाय, तब कहीं।
कहते हैं, आराम बहुत है।।

बंद हो गई, चिट्ठी, पत्री।
व्हाट्सएप पर, पैगाम बहुत है।।
आदी हैं, ए.सी. के इतने।
कहते बाहर, गर्मी बहुत है।।

झुके-झुके, स्कूली बच्चे।
बस्तों में, सामान बहुत है।।
नही बचे, कोई सम्बन्धी।
अकड़,ऐंठ,अहसान बहुत है।!

सुविधाओं का, ढेर लगा है।
पर इंसान, परेशान बहुत है।।
ग़म में खोया रहता सदा ही
सभी लोग परेशान बहुत हैं

दिलदार,सेवाभाव,धर्मभाव का त्रिवेणी संगम हैं संदीप ठाकरे

जन्मदिन 9 अप्रैल पर विशेष, हार्दिक शुभकामनाएं

आज के भौतिकवादी युग में जहाँ अधिकांश युवा अपने व्यक्तिगत स्वार्थ और करियर की दौड़ में व्यस्त हैं, वहीं संदीप ठाकरे ज़ैसे कुछ युवा ऐसे भी हैं जो समाजसेवा और धार्मिक मूल्यों को अपने जीवन का आधार बना कर एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं. हनुमान युवक मंडल वल्लभनगर के सक्रीय सदस्य और हनुमानजी के भक्त संदीप ठाकरे को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान तथा हनुमान मंदिर मित्र परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वह स्वस्थ रहें, मस्त रहें, हनुमानजी उनकी सभी इच्छा पूरी करें, यही कामना.

युवा समाजसेवी संदीप ठाकरे का व्यक्तित्व सेवा, संस्कार और समर्पण का अद्भुत संगम है.यह युवा समाजसेवी बचपन से ही धार्मिक वातावरण में पला-बढ़ा है. घर में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और संस्कारों की शिक्षा ने उसके मन में मानव सेवा के प्रति गहरी भावना विकसित की. वह मानते है कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' और इसी विचार को जीवन का उद्देश्य बनाकर समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता में जुटे रहते है.

उनका दिन अक्सर प्रार्थना और ध्यान से शुरू होता है, जिससे उसे मानसिक शांति और ऊर्जा मिलती है. इसके बाद वह समाज के विभिन्न कार्यों में सक्रिय हो जाता है जैसे गरीबों को भोजन वितरण, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग, अस्पतालों में मरीजों की सेवा, और प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्यों में भागीदारी. उसके कार्यों में न तो दिखावा होता है और न ही किसी प्रकार का स्वार्थ, बल्कि केवल सेवा का सच्चा भाव होता है.मंदिर के सभी धार्मिक आयोजनों में उनका योगदान सदा रहता है.

धार्मिकता संदीप ठाकरे के जीवन में केवल पूजा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह उसे अपने आचरण में भी उतारता है. वह सत्य, अहिंसा, करुणा और सहिष्णुता जैसे मूल्यों को अपनाकर समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास करता है. विभिन्न धार्मिक आयोजनों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से वह लोगों को एकता, भाईचारे और नैतिकता का संदेश देता है.ऐसा युवा समाजसेवी आज के समाज के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत है. वह यह साबित करता है कि सच्ची सफलता केवल धन या पद में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियाँ लाने में है. उसके कार्य समाज में आशा की किरण जगाते हैं और अन्य युवाओं को भी सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं.यह कहना गलत नहीं होगा कि संदीप ठाकरे सेवा भाव और धार्मिकता से ओतप्रोत ऐसे युवा समाजसेवी हैं, जो अथक मेहनत, लगन, माता-पिता के आशिर्वाद के साथ प्रभु की सफलता कृपा मानते हैं.उनके प्रयासों से न केवल जरूरतमंदों को सहारा मिलता है, बल्कि मानवता, नैतिकता और सद्भाव का भी विकास होता है.

आंबेडकर जयंती पर देशभर में उमड़ेगा जनसैलाब

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर चौक इर्विन पर उमड़ेगा जनसैलाब

लाखों की संख्या में अनुयायी करेंगे अभिवादन डॉ.आंबेडकर के जीवन पर प्रदर्शनी सहित कई कार्यक्रम हों गे

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

अमरावती- भारतीय संविधान निर्माता डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती को लेकर अनुयायियों में उत्साह है. इस उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न कार्यक्रम हों गे. अमरावती के इर्विन चौक पर स्थिति डॉ.बाबासाहब आंबेडकर प्रतिमा पर जनसागर उमड़कर महामानव का अभिवादन करेगा. देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सरकारी तथा निजी स्तर पर भी किया गया है. अमरावती में 8 से 14 अप्रैल तक समता सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. इस उपलक्ष्य में समाजसेवी गणेश मेश्राम, गीता मेश्राम, हंसराज श्रीरामे, वर्षा श्रीरामे सहित असंख्य अनुयायियों

ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं.

विभिन्न राज्यों में 8 से 14 अप्रैल तक बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं-जिला, ब्लॉक और गांव स्तर तक सभाएं, रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विचार गोष्ठियां आयोजित होंगी.कई जगहों पर 3 दिन तक लगातार जयंती समारोह मनाने की तैयारी है, जिसमें रैलियां और कैंडल मार्च भी शामिल हैं.

उमड़ेगा जनसैलाब-बाबा साहेब के विचारों से प्रेरित लाखों लोग जुलूस, रैलियों और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में भाग लेंगे.राजनीतिक दल भी इस दिन बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में हैं, जिससे भीड़ और बढ़ने की संभावना है. जगह-जगह प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, भव्य शोभायात्राएं और सामाजिक एकता के संदेश दिए जाएंगे.

भारत का विश्व का सबसे महान संविधान देने वाले तथा विश्व के महानतम अर्थशास्त्री तथा उच्च कोटि के विद्वान डॉ.बाबासाहब आंबेडकर की जयंती राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाई जाती है. आंबेडकर जयंती अब सिर्फ एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और एकता का बड़ा उत्सव बन चुका है.

शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं. इस बार भारत रतन डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर पूरे देश में अभूतपूर्व भीड़ और भव्य आयोजन देखने को मिलेंगे, जो बाबा साहेब के प्रति जनआस्था और सम्मान का प्रतीक होगा. भारतीय संविधान के माध्यम से पूरे राष्ट्र को एकता की कड़ी में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ.बाबासाहब आंबेडकर महान राष्ट्रभक्त विद्वान व्यक्ति थे. जिन्हों ने बिना किसी क्रांति के करोड़ों लोगों का जीवनस्तर ऊपर उठाने के साथ ही उन्हें महान संविधान के माध्यम से न्याय दिलाने का कार्य किया है. उन्हें कोटिश अभिवादन.

-अभिवादक-

पंकज गोविंदराव मुद्गल तथा परिवार,साईनगर, अमरावती.

-अभिवादक-

अरूणभाऊ कडू, सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा आनंद परिवार, बडनेरा, अमरावती.

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

समाजसेवी,हनुमानजी के भक्त

संदीप ठाकरे

को जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान, हनुमान युवक मंडल के सभी पदाधिकारी, श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था, मनोज चोरे, सुभाष दुबे,राजेश सोलव सहित असंख्य मित्र परिवार, वल्लभ नगर, पार्वती नगर, अमरावती.

लोगों का अपार प्रेम, अपनापन है मेरी सबसे बड़ी ताकत-नवनीत राणा

जनसेवा दिवस के रूप में मनाया गया जन्मदिन सैकड़ों जरूरतमंदों को मदद,दिव्यांगों को तिपहिया साईकिल भेंट

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

अमरावती- राजनीति में हार-जीत चलती है लेकिन मुझे मेरे जन्मदिन पर जिस तरह से लाखों लोगों, भाजपा कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने शुभकामनाएं दी, उससे मैं भावुक हो गई हूं. इससे बड़ी कमाई नहीं हो सकती है. लोगों का यही प्रेम मुझे सदा प्रेरणा देता है और करने के लिए प्रेरित करता है. इस आशय का प्रतिपादन भाजपा की राष्ट्रीय नेत्री तथा पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा ने किया. उन्होंने सभी के प्रति दिल से कृतज्ञता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शहा के साथ वरिष्ठों के नेतृत्व में पाटी मजबूती तथा जनसेवा में स्वयं को झोंकने की बात कही.भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद नवनीत राणा का जन्मदिन इस वर्ष जनसेवा दिवस के रूप में पूरे अमरावती जिले में उत्साहपूर्वक मनाया गया. शंकर नगर स्थित कार्यालय में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा हजारों युवक-युवतियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल दिखाई दिया.इस अवसर पर जिलेभर में सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. पदाधिकारियों ने अंबादेवी एवं एकविरा देवी मंदिर में महाआरती कर नवनीत राणा के उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की. वहीं गौरक्षण केंद्र में उनके वजन के बराबर गुड़तुला कर अनोखे ढंग से जन्मदिन मनाया गया.

जनसेवा दिवस के तहत विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को बड़ी मात्रा में सहायता सामग्री वितरित की गई. इसमें 15 ट्रैक्टर, 28 व्हीलचेयर, 25 सिलाई मशीन, 40 भजन मंडलों को भजन सामग्री, 27 साउंड सिस्टम तथा 600 चश्मों का वितरण शामिल रहा. इसके अलावा 680 पीआर कार्ड, 698 नए राशन कार्ड तथा स्व. गोपीनाथ मुंडे अपघात योजना अंतर्गत 70 लाभार्थियों को धनादेश प्रदान किए गए.पूर्व सांसद की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज भी जिले में जहां जाती हैं, उन्हें मिलकर लोग शिकायतें बताते हैं.

कार्यक्रम में प्रभाकरराव वैद्य, विधायक रवि राणा, भाजपा शहराध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, ग्रामीण जिलाध्यक्ष रविराज देशमुख, उपमहापौर सचिन भेंडे सहित अनेक जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी उपस्थित रहे. इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और नागरिकों ने सहभागिता दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया. विभिन्न जनकल्याणकारी उपक्रमों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग को राहत प्रदान करने का यह प्रयास सराहनीय रहा.

देश के गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित केंद्र और राज्य के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दूरभाष के माध्यम से उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया.

गुरुवार ९-१४ अप्रैल २०२६ तक

मेष-इस राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनुमा रहेगा क्योंकि 2 मार्च को शुक्र आपके ग्यारहवें घर यानी मीन राशि में उच्च के हो रहे हैं. वह दोस्ती, उम्मीदों और इमोशनल सपोर्ट को मजबूत करेंगे. चंद्रदेव सिंह राशि में होने से फैमिली मैटर्स और कम्फर्ट को हाईलाइट करेंगे.आपकी क्रिएटिविटी और रोमांस को सपोर्ट करेंगे. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे.

कर्क-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कुंभ में हैं, लेकिन शुक्र का 2 मार्च को मीन राशि में उच्च होना आपके 12वें घर को प्रभावित करेगा. इससे आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-मार्च महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है.आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा. नाहक गुस्सा करने से बचना श्रेयस्कर होगा.

मीन-मीन राशि के लिए यह हफ्ता बहुत ही पावरफुल और शुभ है. 2 मार्च को शुक्र आपकी ही राशि यानी फर्स्ट हाउस में उच्च के हो रहे हैं, जो आपके चार्म, क्रिएटिविटी और इमोशनल वार्मथ को बढ़ाएंगे. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. 6 मार्च की रात से चंद्रदेव तुला राशि में जाने से इमोशनल हीलिंग में मदद मिलेगी.

ओम नमो भगवते वासुदेवाय

जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं बसते हैं

मेरे जीवन में माता-पिता की सेवा का चमत्कार मैंने अनुभव किया है.
दुःखों का कारण माता-पिता के प्रति सही भाव नहीं होना है.
जिस घर में माता-पिता का सम्मान है, वहीं स्वास्थ्य, सम्पत्ति, खुशियां रहती हैं.
पिता के त्याग पर आधारित मेरी किताब धर्मदाता जिम्मेदारी और समझदारी आगामी कुछ सप्ताह में आने वाली है.

बुकिंग के लिए संपर्क कर नेक काम में आप भी योगदान दे सकते हैं.

संपर्क - 9423426199

धर्मदाता
जिम्मेदारी-समझदारी

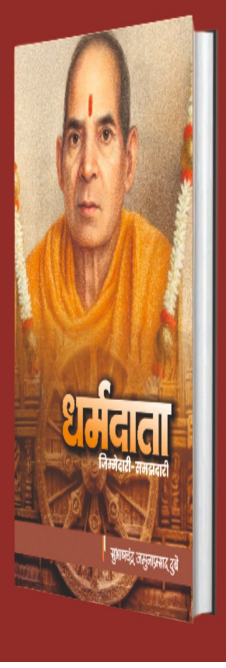

डॉ.श्वेता सिंघल बनी दिल्ली में विशेष निवासी आयुक्त

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

अमरावती-राज्य सरकार ने मंगलवार, 7 अप्रैल 2026 को 11 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए, जिनमें अमरावती संभाग की पूर्व संभागीय आयुक्त तथा कर्मठ और संवेदनशील तथा विकास का विजन रखने वाली आईएएस अधिकारी के रूप में सुख्यात डॉ. श्वेता सिंघल को नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में विशेष निवासी आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है. उन पर केन्द्र तथा राज्य के बीच समन्वय की भी जिम्मेदारी सौं पी गई है. अमरावती में अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न प्रयोग करते हुए संभाग के विकास में उन्हों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

थी. नई जिम्मेदारी के तहत डॉ. सिंघल पर केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. साथ ही महाराष्ट्र में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी.

डॉ. श्वेता सिंघल का अमरावती संभाग में बीता कार्यकाल बेहद उल्लेखनीय रहा है. उनके नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और जनभागीदारी को बढ़ावा मिला. सशस्त्र सेना ध्वज दिवस 2024-25 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष सम्मान से नवाजा गया था. इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा 7 मई से 2 अक्टूबर 2025 तक चलाए गए 150 दिवसीय ई-गवर्नेंस सुधार अभियान के अंतरिम मूल्यांकन में अमरावती संभागीय आयुक्तालय ने पूरे महाराष्ट्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया. इस उपलब्धि के कारण अमरावती मॉडल को राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ घोषित करते हुए अन्य संभागों के लिए आदर्श माना गया. उन्हों ने अमरावती में भी अपने कामों से अलग ही स्थान बनाया था. दिल्ली में उनके तबादले से सर्वत्र खुशी व्याप्त है.

अमेरिका झुका,हेकड़ी कायम

पेज 1 से जारी- उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजरानी की सुरक्षा और मुक्त आवागमन सुनिश्चित करना था. प्रस्ताव को कई बार कमजोर किया गया था, जिसमें बल प्रयोग की भाषा को पूरी तरह हटा दिया गया था, फिर भी चीन और रूस ने इसे वीटो कर दिया.अमेरिका को एक के बाद एक झटका लगने के कारण इसकी स्थिति न उगलने न निगलने जैसी हो गई है. इस मामले में विश्वस्तर पर अमेरिका की छी थू भी हो रही है. ऊधर विश्व मंच पर चीन तथा रूस ने भी झटका दे दिया है.

मतदान में 11 सदस्यों ने पक्ष में वोट किया, जबकि चीन और रूस ने विरोध किया. कोलंबिया और पाकिस्तान ने मतदान से परहेज किया.

चीन ने क्यों लगाया वीटो?

चीन और रूस ने इस कदम को ईरान के खिलाफ पक्षपातपूर्ण बताया. रूस और चीन ने कहा कि यह प्रस्ताव ईरान के खिलाफ पक्षपाती था और चीन के संयुक्त राष्ट्र दूत फू कोंग ने कहा कि ऐसे मसौदे को अपनाना जब अमेरिका एक पूरी सभ्यता के अस्तित्व को ही खतरे में डाल रहा हो, एक गलत संदेश देता. अमेरिका द्वारा युद्ध शुरू करने के बाद से ही ईरान द्वारा जिस तरह से उसका, इजराईल का मुकाबला किया गया है, उसका अनुमान अमेरिका को भी नहीं था.

स्थायी समाधान नहीं- मानने वालों का कहना है कि युद्ध के कारण लाखों करोड़ फूंककर अमेरिका भी पस्त हो गया था. इतना ही नहीं तो अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कदम को लेकर नाराजी भी शुरू हो गई थी. लाखों के प्रदर्शन के बाद वह भी बैक्फुट पर आ गए थे. ऐसे में उनके लिए भी यह कठिन जा रहा था, इसी को ध्यान में रखते हुए चीन के दवाब में युद्ध विराम किया. लेकिन ईरान जिस तरह अपनी शर्तों पर अड़ा है, उसके चलते यह युद्ध विराम कितना प्रभावी रहेगा, इस पर सवाल पैदा होने लगे हैं.अमेरिका द्वारा पूरी ताकत लगाने के बाद भी जिस तरह से ईरान ने उसका प्रतिकार किया, उसका अंदाजा अमेरिका को भी नहीं था. लगभग 32 दिनों तक अमेरिका के साथ ही इजराइल और दोनों को मदद करने वाले विभिन्न देशों से इरान ने लड़ाई लडी और उसके आक्रामक रवैये से विश्व भी मुसीबत में पड़ने की स्थिति पैदा हो गई.

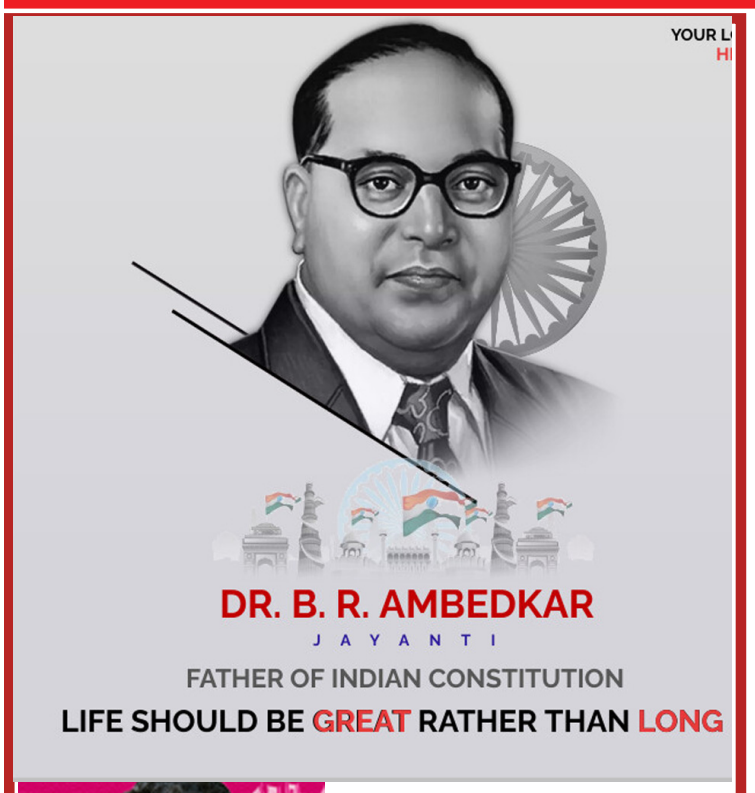

-अभिवादक-
सचिन भेंडे तथा परिवार
उपमहापौर, अमरावती महानगर पालिका,अमरावती.

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर यांच्या १३५वीं जयंती निमित्त अभिवादन

अभिवादक - गणेश मेश्राम,गीता मेश्राम, हंसराज श्रीरामे, वर्षा श्रीरामे,अरूण पवार, सौ. पवार

अभिवादक-चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया तथा समस्त मधुसूदन ग्रुप परिवार,अमरावती,मुंबई

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

भक्त नहीं, अनुयायी बन विचारों पर चलने से होगा भला

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर महानतम विद्वान,अर्थशास्त्री थे, उन्हें विचारों में उतारें : प्राचार्य सुधीर महाजन

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

इंदौर- विश्व के महानतम ज्ञानी, संविधान विशेषज्ञ के साथ ही महान विचारों के पुरोधा के रूप में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर का जिक्र किया जा सकता है. उनके भक्त बनकर हार-फूल चढ़ाने की बजाय अनुयायी बनकर उनके विचारों पर चलने पर असंभव भी संभव हो जाता है. शिक्षा को विकास की कड़ी से जोड़ने वाले महान दार्शनिक वे थे. उनका भक्त बनकर फूल-हार चढ़ाने की बजाय उनके विचारों पर चला जाए तो सब कुछ हासिल किया जा सकता है. इस आशय का प्रतिपादन राष्ट्रीय वक्ता,पोदार इंटरनेशल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया. उनके मुताबिक शिक्षा ही सबसे बड़ी ताकत है, इस पर ही उन्होंने सदा जोर दिया था.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ डॉ.बाबासाहब आंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए अभी तक शिक्षा में उल्लेखनीय कार्यों के लिए कई दर्जन पुरस्कारों से सम्मानित सुधीर महाजन ने कहा कि डॉ.आंबेडकर केवल एक महान व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि विचारों की ऐसी ज्योति हैं, जो आज भी समाज को सही दिशा दिखाती है. उन्हें केवल पूजना या उनकी तस्वीरों पर फूल चढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है.

आज के समय में अक्सर हम भक्ति में खोकर व्यक्ति को पूजने लगते हैं, लेकिन उनके विचारों को भूल जाते हैं. ज़बकि उन्हों ने स्वयं ही पढ़ो और संघर्ष कर हक हासिल करने का संदेश दिया था. डॉ. अंबेडकर ने हमेशा तर्क, समानता, शिक्षा और आत्मसम्मान का मार्ग दिखाया. उन्होंने कहा था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो. यह केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन जीने का मार्ग है.अगर हम सच में उनके अनुयायी बनना चाहते हैं हमें शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए.समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी.

समानता और न्याय के सिद्धांतों को अपनाना होगा,अंधविश्वास और रूढ़ियों से दूर रहना होगा,भक्त बनने से व्यक्ति सिर्फ भावनाओं में बंध जाता है, जबकि अनुयायी बनने से व्यक्ति विचारों के मार्ग पर चलकर समाज में बदलाव लाता है.उनके मुताबिक आज जरूरत इस बात की है कि हम डॉ. आंबेडकर को केवल जयंती और पुण्यतिथि तक सीमित नहीं रखते हुए उनके विचारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए स्वयं, परिवार,समाज तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए. हम तभी एक सशक्त, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माण कर पाएंगे.

प्राचार्य सुधीर महाजन के मुताबिक डॉ.आंबेडकर का जीवन परिचय देखने पर संघर्ष, अपमान तथा अन्य कई समस्याओं से जूझते हुए उन्होंने शिक्षा के माध्यम से करोड़ों लोगों का जीवन तारने का काम किया. वे विश्व के पहले महानतम क्रांतिकारी कहे जा सकते हैं, जिसने बिना किसी तरह के विद्रोह के करोड़ों अन्याय पीड़ितों को न्याय दिलाने के साथ ही उनका जीवन संवारा. डॉ.आंबेडकर जयंती पर शत-शत नमन अभिवादन कर अनुयायियों को शुभकामनाएं दी.

खतरा नहीं टला, टली कुछ पल बला

तेहरान/वॉशिंगटन: डोनाल्ड ट्रंप की सनक ने पूरे मध्य पूर्व को खतरे में डाल दिया था और आखिरकार थोड़ी समझदारी से एक विनाशक संकट शायद कुछ दिनों के लिए टल गया है. डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की जीत बताते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर को क्रेडिट देते हुए ईरान के साथ दो हफ्तों के लिए युद्धविराम की घोषणा कर दी. ट्रंप का युद्धविराम को लेकर पोस्ट उनके ईरान को दिए गये डेडलाइन के करीब ही था.लेकिन ईरान ने युद्धविराम की घोषणा इस शर्त के साथ की है कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसका 'अधिकार' होगा.इस युद्धविराम के साथ शायद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी इज्जत बचाने की कोशिश की है. उन्हें युद्ध से बाहर आने के लिए कोई सम्मानजनक मोड़ चाहिए था. उन्होंने ईरान की सभ्यता को मिटाने की कसम खा रखी थी. लेकिन युद्धविराम की शर्तों और अमेरिका के युद्ध शुरू करने की वजहों को जब तराजू पर तोलते हैं तो अमेरिका के हाथ खाली दिखते हैं. ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ईरान की प्रतिक्रिया से डरकर भाग खड़े हुए हैं.अमेरिका अपनी ही चाल में फंसने वाली स्थिति हो गई है. खतरा बढ़ रहा है.पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान के अधिकारियों को 'इस्लामाबाद समझौते' के लिए शुक्रवार को आमंत्रित किया है. अब अगले दो हफ्तों तक अस्थाई युद्धविराम को शांति स्थापना तक पहुंचाने के लिए बात होगी. आने वाले दिनों में ये बातचीत आसान नहीं दिख रही है लेकिन बाजार में शुभ संकेत मिल रहे हैं. कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है. अमेरिकी स्टॉक में जबरदस्त उछाल आया है. लेकिन सवाल ये है कि ईरान जब युद्ध से पहले भी अमेरिकी शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं था तो वो अब क्यों मानें?

महान दार्शनिक थे डॉ.आंबेडकर-जाजोदिया

विदर्भ स्वाभिमान, 8 अप्रैल

अमरावती- मनुष्य की कीमत जन्म नहीं बल्कि कर्म, उसकी योग्यता से होती है. भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस बात को साबित किया. महान दार्शनिक, विद्वान के साथ ही भारतीय संविधान के रूप में महान उपहार राष्ट्र को दिया है. उनकी जयंती पर शत-शत नमन और अभिवादन, इस आशय का प्रतिपादन समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया. उनके मुताबिक वे केवल भारत के संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान दार्शनिक भी थे. उनका दर्शन केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करता था.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए चंद्रकुमार जाजोदिया ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का दर्शन समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित था.

उन्होंने मानव जीवन को तर्क और न्याय की कसौटी पर परखा. उनके अनुसार, कोई भी समाज तब तक प्रगतिशील नहीं हो सकता, जब तक उसमें सभी लोगों को समान अवसर और सम्मान नहीं मिलता.उनका विचार स्पष्ट था कि अंधविश्वास और परंपराओं के नाम पर अन्याय को स्वीकार करना सबसे बड़ा अपराध है. इसलिए उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना और लोगों से शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का आह्वान किया.

डॉ. आंबेडकर का दर्शन केवल सामाजिक नहीं, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक भी था. ज्ञान का अपार भंडार जहां उनमें समाया था, वहीं मानव के बीच में भेदभाव भी उन्हें पसंद नहीं था. उन्होंने समाज में व्याप्त असमानताओं को खत्म करने के लिए लोकतंत्र को केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति के रूप में अपनाने की बात कही.उन्होंने यह भी बताया कि सच्चा धर्म वही है, जो मानवता, करुणा और नैतिकता को बढ़ावा दे. यही कारण है कि उनका दर्शन आज भी प्रासंगिक है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है. कई पुरस्कारों से सम्मानित तथा एकता रैली समिति के कार्याध्यक्ष लप्पीभैया के मुताबिक डॉ.आंबेडकर के विचारों पर चलकर ही हम एकता, प्रगति के साथ ही राष्ट्र को मजबूत करने का आग्रह अनुयायियों से किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट

संजय
एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

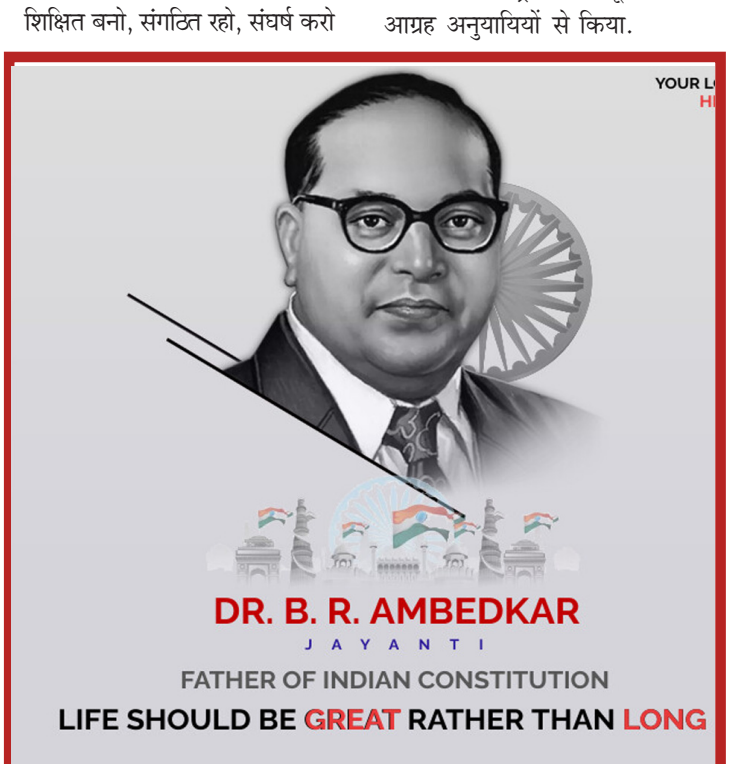

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा ~~अन्धश्रद्धा~~ को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

अभिवादक

सुधीर महाजन (राष्ट्रीय स्तर के वक्ता तथा प्राचार्य पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर) तथा परिवार,इंदौर